तनोट मंदिर ने ऑनलाइन पास प्रणाली शुरू की

चर्चा में क्यों?

हाल ही में घरेलू पर्यटकों को **जैसलमेर ज़िले** में **भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा** पर स्थित **तनोट-बाबलीयान पर्यटन सर्किट** का भ्रमण कराने के लिये ऑनलाइन पास प्रणाली शुरू की गई है।

मुख्य बिंदु

- वेबसाइट का विकास **तनोट माता ट्रस्ट** द्वारा किया गया है तथा इसका **प्रबंधन** सीमा सुरक्षा बल (BSF) द्वारा किया जाता है।
- यह आगंतुकों को सीमा सुरक्षा गतिविधियों को देखते हुए गर्व और देशभक्ति की भावना महसूस करने की अनुमति देता है
- **इच्छुक पर्यटकों को विस्तृत जानकारी और पहचान के साथ एक ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा।**
- **केंद्र सरकार ने मंदिर परिसर में तनोट पर्यटन परियोजना के लिये 17.67 करोड़ रुपए मंज़ूर किये हैं।**

तनोट माता मंदिर

- **श्री तनोट माता मंदिर राजस्थान के जैसलमेर ज़िले में स्थित एक प्राचीन हिंदू मंदिर है**
- **यह हिंदू देवी हिंगलाज माता के स्वरूप तनोट राय को समर्पित है।**

सीमा सुरक्षा बल (BSF)

- **BSF की स्थापना वर्ष 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद की गई थी।**
- **यह गृह मंत्रालय (MHA) के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत भारत संघ के सात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से एक है।**
  - **अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल हैं: असम राइफल्स (AR), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) और सशस्त्र सीमा बल (SSB)।**
- **2.65 लाख जवानों वाला यह बल पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर तैनात है।**
  - **इसे भारतीय सेना के साथ भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा, भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा (LoC) पर तथा नक्सल विरोधी अभियानों में तैनात किया गया है।**
- **BSF अपने अत्याधुनिक जलयान बेड़े के साथ अरब सागर में सरक्रीक और बंगाल की खाड़ी में सुंदरवन डेल्टा की रक्षा कर रहा है।**
- **यह हर वर्ष अपनी प्रशिक्षित जनशक्ति का एक बड़ा दल भेजकर संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में समर्पित सेवाएँ प्रदान करता है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tanot-temple-launches-online-pass-system